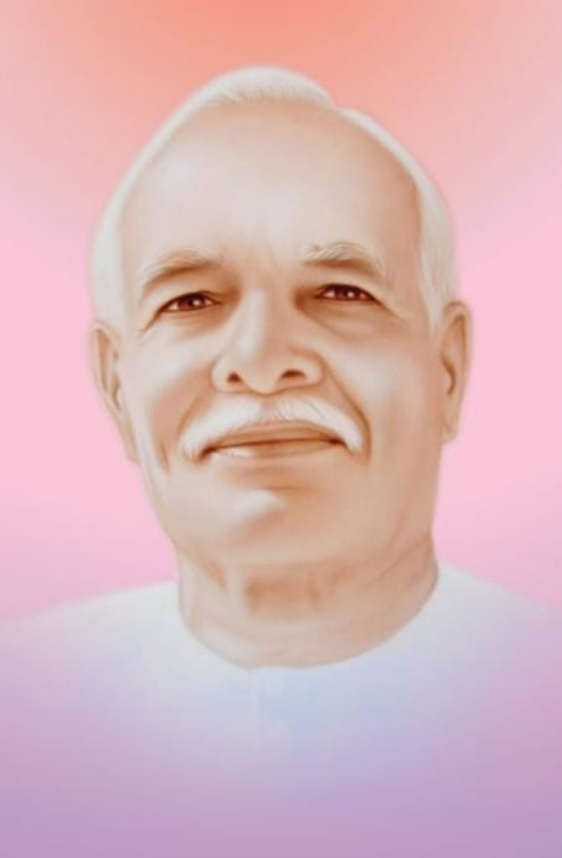


ईश्वरीय  
खजाना  
टीम  
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की  
भिन्न भिन्न युक्तियाँ  
बाबा की रोज  
जैसे मीठी थपकी है  
अन्तर्मन में  
जो समा ले इसे  
जीवन में उसकी सफलता  
शत प्रतिशत पक्की है...



AAJ KA SWAMAAN →

मैं त्रिकालदर्शी आत्मा हूँ।



MADHUBAN ...





# "अमृतवेले का महत्व"

अमृतवेले चारों ओर के तमोगुणी वातावरण या वाइब्रेशन के वायुमण्डल में प्रायः लोप स्थिति का समय होता है अर्थात् तमोगुण का प्रभाव दबा हुआ होता है। ऐसे समय पर सहज ही पुकार और उपकार होता। पुकार सुनना भी सहज है, उपकार करना भी सहज है। वरदान लेना भी सहज है और दान देना भी सहज है क्योंकि वातावरण वृत्ति को बदलने वाला होता है। ऐसे समय पर, आप सर्व वरदानी आत्माओं की स्वयं की स्थिति भी, बाप की विशेष वरदानों की छत्रछाया के कारण, बाप के समान सम्पन्न और दातापन की होती है। **ब्रह्मलोक के निवासी बाप विशेष रूप से ज्ञान-सूर्य की लाईट और माइट की किरणें विशेष बच्चों को वरदान रूप में देते हैं। इसलिए इस समय को 'ब्रह्म मुहूर्त' का समय कहते हैं।**

Avyakt Murli - 12-11-79



BRAHMA KUMARIS  
Education Wing, Mount Abu



/AvyaktMurliEssence

# पहले सोचके फिर ब्रह्मा बाप को फॉलो करो

बापदादा- 20-03-2012

फॉलो करना अर्थात् ब्रह्मा बाप समान बनना। तो सोचो बाप से प्यार है, दोनों बाप से प्यार है। प्यार माना पहले भी सुनाया तो प्यार का प्रैक्टिकल रूप है ब्रह्मा बाप का करना और कहना और बच्चों को बाप समान करना, यह है सच्चा दिल का प्यार। कई बच्चे क्या करते हैं? ब्रह्मा बाप समान करना है, यह सोचते हैं लेकिन पहले करके पीछे सोचते हैं, ब्रह्मा बाप समान तो किया नहीं। लेकिन कर तो लिया। लेकिन फॉलो करना है तो पहले सोचो, संकल्प करने के पहले सोचो क्या यह संकल्प ब्रह्मा बाप का है! अगर है तो प्रैक्टिकल करो। करके पीछे नहीं सोचो। लेकिन पहले सोचके फिर फॉलो करो। ब्रह्मा बाप को फॉलो करना अर्थात् ब्रह्मा बाप समान बनना। हिम्मत है? फॉलो करने की हिम्मत है? जो समझते हैं करना ही है, वह हाथ उठाओ। पहले सोचना फिर करना। करके नहीं सोचना।





A lotus flower grows in mud but nothing sticks to it. Similarly, whatever situation we are in, we should not get influenced by it



माया-मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए  
**परमात्म इशारे**

शिवबाबा कहते हैं कि,  
**Acceptance ही एकाग्रता है।**  
अगर acceptance नहीं है, तो एकाग्रता नहीं है।



Peace of Mind

CH. 1221



CH. 1087



CH. 1065

**TATA PLAY**

CH. 678



CH. 496





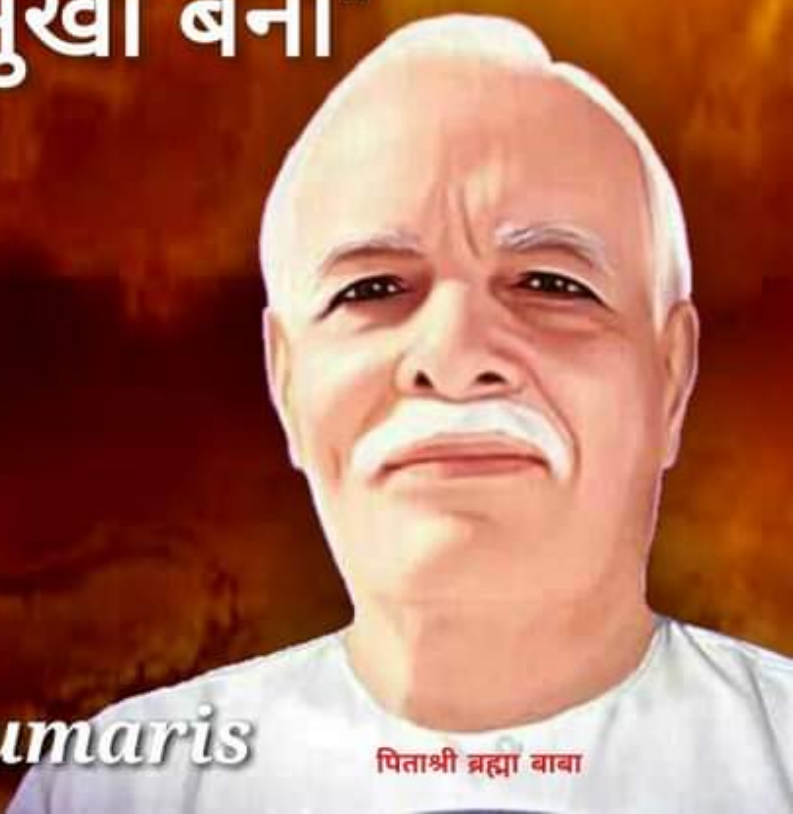
ज्योतिर्बिन्दु  
परमपिता शिव परमात्मा

"मीठे बच्चे -  
21 जन्मों के लिए  
पुण्य का खाता जमा करना है,  
योगबल से पापों के खाते को  
भस्म करना है  
इसलिए अन्तर्मुखी बनो"

*Om Shanti*

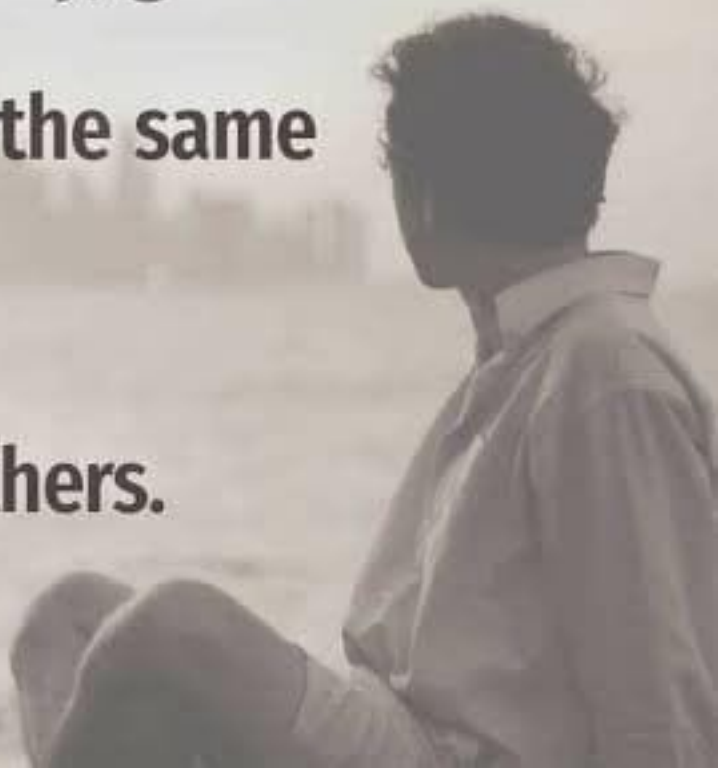
*Join Brahma Kumaris*

पिताश्री ब्रह्मा बाबा





**In your conversation with  
yourself, speak sweetly, give  
respect, motivate & the same  
is reflected in your  
conversation with others.**







## **Brahma Kumaris Websites**

Main BK website [www.shivbabas.org](http://www.shivbabas.org) OR  
[www.brahmakumari.org](http://www.brahmakumari.org) (by SBS team)

Int'l website: [www.brahmakumaris.org](http://www.brahmakumaris.org)

India website: [www.brahmakumaris.com](http://www.brahmakumaris.com)

BK Sustenance website:  
[www.bksustenance.net](http://www.bksustenance.net)

All Data hosted on [www.bkdrluhar.com](http://www.bkdrluhar.com)

Murli Websites: [babamurli.net](http://babamurli.net)  
and [madhubanmurli.org](http://madhubanmurli.org)

[www.omshantimusic.net](http://www.omshantimusic.net)

[www.bkgoogle.org](http://www.bkgoogle.org)

[www.bksewa.org](http://www.bksewa.org)

[www.bkinfo.in](http://www.bkinfo.in)

[www.bk.ooo](http://www.bk.ooo)

[www.brahmakumari.org/centres](http://www.brahmakumari.org/centres)

NEW

[www.IshvariyaKhajana.BKhq.org](http://www.IshvariyaKhajana.BKhq.org)